



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—प्राप्त-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 308] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 8, 1993/भाद्र 17, 1915

No. 308] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 8, 1993/BHADRA 17, 1915

प्राविरण द्वारा बन मत्रात्मक

संकलन

नई दिल्ली मित्तवार, 1993

विषय स्वच्छ औद्योगिकों के लिए ग्राजाव गावा पर्यावरण पुरस्कार

तो का नि 596(प्र) --प्रदाण वा।। दोषण में राष्ट्रीय पुरस्कार के संकेत में 26 अगस्त 1992 का अधिनियम सा का नि 136(ई) फक्त में, निम्नलिखित का ग्रामिल किया जा रहा है --,

श्री राजाव गावा के जन्म के स्वर्ण जयन्ता के अवसर पर, मारू, मराहा त उच्चोमो विशेषकर अन्याधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों द्वारा 23वें तिथि प्रीदीपांची 1993 ग्रामान का ग्रामिल किया जाने के लिए उनके नाम पर एक राष्ट्रीय पुरस्कार शुरू करने का निषेद किया है।

यह निषेद शोधार्गेकाव उपर्युक्त दो दिनों न स्वार्थि बढ़ाव दें। भारा किए एवं अथवा प्रशासी आर पर्यावरण के संबंध में उनका विशेष लक्ष या अन्ति प्रबद्धतालाला भा माया देने व लिए किया गया है।

यह पुरस्कार एक द्राफा के रूप में उम्मुक्त इकाई का दिया जायें।, जो ऐसा नई प्रौद्योगिकी के विकास अथवा बर्तमान प्रौद्योगिकी में नए सुधार, अथवा स्वच्छ श्रीदायगिकिया आंवि प्रथाओं का अननान आर प्रयोग करने में

महत्वपूर्ण और परिसेय योगदान करेगी, जिनमें पर्यावरणीय प्रदूषण काफी कम हो जाता हो, उसकी समाप्ति अथवा निवारण ही जाता हो।

प्रदूषण निवारण का उद्देश्य वायु, मृदा और जल की गुणवत्ता को सुधारना, प्राकृतिक सासाधनों का संरक्षण करना तथा व्यावहारिक और सर्वे साधनों के जरिए प्रदूषकों को उत्तरिति का निवारण करना है।

इस संबंध में किये जाने जाने कार्यों में उर्जा अथवा अन्य सासाधनों को बचत करने वाली नई प्रौद्योगिकियां शुरू करना, कम प्रदूषक सामग्री का प्रयोग करने के लिए उत्पाद पुनर्निर्माण अथवा प्रतिस्थापन और प्रदूषण कम करने वाली संशोधित यथवां नई प्रक्रियाएँ शामिल हो सकती हैं।

प्रदूषण के निवारण हेतु 26 अगस्त, 1992 को ब्रिटिश राष्ट्रीय पुरस्कारों की मौजूदा मूक्ति में हर वर्ष 23 पुरस्कार देने का प्रावधान है। इनमें से एह-एक पुरस्कार अत्यधिक प्रदूषक उद्योगों की अभिनिर्धारित 18 श्रेणियों, चौनों, (उर्वरक, सीसेट, किणन और मद्य निर्माण, एल्यूमिनियम, पेट्रो-रसायन, ताप-विद्युत, कास्टिक सोडा, तेल-शोधन, सल्फूरिक एसिड, ताब, प्रगलन, जस्ता प्रयोग, लौह एवं इस्पात, चर्मशोधन, लगदी और कागज, डाइ और डाइ इन्डस्ट्रियलिंग, कोटनाशी, औषध-निर्माण) में और पाच पुरस्कार लघु उद्योग श्रेणी में हैं।

इन पुरस्कारों के लिए नामांकनों को समोक्षा करते समय, चयन समिति इनमें से "स्वच्छ प्रौद्योगिकों के लिए राजीव गांधी पर्यावरण पुरस्कार" हेतु सर्वोत्तम, विशेष कर स्वच्छ प्रौद्योगिकों अनानंतों को दृष्टि से सर्वोत्तम इकाई को घोषात्त करेगी।

इस संवेदन में गुणवत्ता और मात्रा दोनों को दृष्टि से किए गए योगदान का महत्व तथा पर्यावरण और परिमेय प्रभाव तुलाव के लिए प्रयुक्त मापदण्डों में से होगे।

[क्रू--16016/52/90--सी. पी. ए]  
टी. जार्ज जोसेफ, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS  
RESOLUTION

New Delhi, the 8th September, 1993

Subject.—Rajiv Gandhi Environment Award For Clean Technology.

G.S.R. 596(E).—In continuation of the notification bearing G.S.R. 735(E) of 26th August, 1992 on National Awards for Prevention of Pollution, the following addition is being made.

On the occasion of the golden jubilee anniversary of his birth, the Government of India have decided to institute a National Award named after Shri Rajiv Gandhi to encourage the adoption of clean process technologies by industries, particularly those in the highly polluting categories.

This is in special recognition of the late Prime Minister's vigorous efforts at technological upgradation, and his particularly acute environmental sensitivity.

The Award will be granted in the form of a trophy to the meritorious unit which makes a significant and measurable contribution towards the development of new, or innovative modification of existing, or remarkable adoption and use of clean technologies and practices that substantially reduce, eliminate or prevent environmental pollution.

Pollution prevention aims at improving the quality of air, soil and water, by conserving natural resources and at preventing the generation of pollutants through viable and cost effective means.

The activities can include new technologies that save energy or other resources, product reformulation or substitution to use fewer polluting materials, and modified or new processes which reduce pollution.

In the existing scheme of National Awards for the Prevention of Pollution, as notified on 26th August, 1992 there is a provision for 23 awards to be given each year, one in each of the identified eighteen categories of highly polluting industries (sugar, fertiliser, cement, fermentation and distilleries, aluminium, petro-chemicals, thermal power, caustic soda, oil refinery, copper smelting, sulphuric acid, zinc smelting, iron and steel, tanneries, pulp and paper, dye and dye intermediates, pesticides, pharmaceuticals), and five in the small-scale category.

While reviewing the nominations for these awards, the Selection Committee shall identify the best among these, particularly from the angle of adoption of clean technology, for the Rajiv Gandhi Environment Award for Clean Technology.

The significance of the contribution, both in qualitative as well as quantitative terms, as well as measurable impact on the environment will be among the major criteria for selection.

[Q-16016|52|90-CPA]  
T. GEORGE JOSEPH, Jt. Secy.

